संसार में परमात्मा के अलावा कोई पूर्ण नहीं है- वंदना श्री

देवास अंचल न्यूज

परमात्मा ने सात दिन बनाये सात दिन ही सृष्टि का संचालन करते हैं परमात्मा ने जीवन को भी सप्त दिनों में बांध रखा है। पाप से मुक्ति भी सात दिनों में मिल सकती है और मोक्ष भी सात दिनों में मिलता है। श्रीमद भागवत कथा यही बताती है कि राजा परीक्षित ने कलयुग के प्रताप से जिस पाप को किया उससे मुक्ति भी सात दिनों तक श्रीमद भागवत कथा का श्रवण करने से मिली। कथा प्रसंग में श्रीमद भागवत ने एक एक रहस्य के अंदर जीवन को अध्यात्मिक रूप से जीना सिखाया है। पाप से मुक्ति और पुण्य से स्वर्ग का अगर दर्शन कराती है तो वो है श्रीमद भागवत, सांसारिक लोगों को अपने धन और बल का अभिमान होता है। अपने आपको पूर्ण समझने की कोशिश करते हैं। श्रीमद भागवत उनके भ्रम को दूर करती है। परमात्मा से बडा बनने की कोशिश जिसने भी की है उसने अपना सर्वनाश ही किया है। संसार में परमात्मा से बड़ा कोई नहीं है। यह आध्यात्मिक विचार कैलादेवी मंदिर में चैत्री नवरात्रि पर्व पर हो रही श्रीमद भागवत कथा की विश्राम दिवस पर बृजरत्ना वंदना श्री ने व्यक्त किये। कथा प्रसंग में श्रीकृष्ण ओर रूकमणि के विवाह का बहुत ही सुंदर एवं मार्मिक वर्णन एवं चित्रण किया गया। सुदामा चरित्र में कहा कि मित्र अगर हो तो सुदामा जैसा जिसने द्वारकाधीश के लिए दरिद्र बनकर भक्ति के मार्ग को नहीं छोड़ा, पत्नी के कहने पर कृष्ण से मिलने गए किंतु दरिद्र होने के बाद भी कृष्ण से कुछ मांगा नहीं। भक्ति और मित्रता की इससे बड़ी पराकाष्ठा संसार में हो ही नहीं सकती। व्यासपीठ की पूजा मन्नुलाल गर्ग, विनोद महाजन, योगेश बंसल, दीपक गर्ग एवं परिवार ने की। कथा आरती में संयोजक रायसिंह सेंधव, विमल भूषण गुप्ता, ओ.पी. तापडिया, प्रहलाद अग्रवाल, मदनसिंह धाकड़, संजय शर्मा, राजेश पटेल, रामेश्वर पटेल, निक्कु गोयल आदि उपस्थित थे। विश्रांति अवसर पर बृज से आये कलाकारों का सम्मान किया गया। कथा का संचालन चेतन उपाध्याय ने किया तथा आभार रायसिंह सेंधव ने माना। विशेष- आज नर्मदा पुराण दोपहर 2.30 से प्रारंभ होगी। कैलादेवी मंदिर उत्सव समिति ने सभी भक्तों से नर्मदा पुराण कथा श्रवण का लाभ लेने की अपील की।